

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,  
उत्तराखण्ड जल संस्थान,  
देहरादून।

पेयजल एवं स्वच्छता अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक : २। मार्च, 2019

विषय:- वित्तीय वर्ष 2018-19 में विद्युत देयकों के भुगतान हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 8904/वि0अनु0विद्युत/02/शा0अनु0/2018-19 दिनांक 29.03.2019 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड को पेयजल आपूर्ति के सत्यापित विद्युत देयकों के बीजकों के अधिभार के भुगतान हेतु ₹ 2988.15 लाख (₹ उन्तीस करोड़ अष्टासी लाख पन्द्रह हजार मात्र) की धनराशि पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2018-19 में निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन स्वीकृत किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

(i) स्वीकृत की जा रही धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरित बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके इसी वित्तीय वर्ष में आहरित की जायेगी। आहरण नगद न कर पुस्तक समायोजन किया जायेगा तथा आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर संख्या एवं दिनांक की सत्यापित सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी।

(ii) उक्त धनराशि का भुगतान उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन (उ0प0का0लि0) को एवं उ0प0का0लि0 द्वारा उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम (यू0जे0वी0एन0एल0) तथा तत्क्रम में यू0जे0वी0एन0एल0 से उत्तराखण्ड शासन को नगद न करके पुस्तक समायोजन द्वारा राजकोष में जमा की जायेगी। तदनुसार पुस्तक समायोजन के क्रम में उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा उ0प0का0लि0 को देय विभिन्न पेयजल योजनाओं के सापेक्ष विद्युत बिलों की राशि भुगतान की जायेगी तथा उ0प0का0लि0 से रायल्टी के रूप में यू0जे0वी0एन0एल0 को भुगतान की जाने वाली अवशेष राशि व इसी क्रम में यू0जे0वी0एन0एल0 से उत्तराखण्ड शासन को जमा की जाने वाली रायल्टी की अवशेष धनराशि उसी मात्रा में भुगतान कर दी गयी मानी जायेगी।

(iii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च, 2019 तक करके उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन के लम्बित देयकों का भुगतान करके शासन को भी अवगत करा दिया जाय।

2- उक्त धनराशि का आहरण नगद न कर चालान के माध्यम से पुस्तक समायोजन द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-101- शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-04-विद्युत देयको का उत्तराखण्ड विद्युत निगम-भुगतान-09-विद्युत देय मद" के नामे डाला जायेगा तथा "लेखाशीर्षक-0043-विद्युत कर तथा शुल्क-101-विद्युत के उपयोग और बिक्री पर कर -01-विद्युत के उपयोग और बिक्री पर कर" में पुस्तक समायोजन माध्यम से जमा किया जायेगा।



3- धनराशि आहरण वितरण अधिकारी को कम्प्यूटर आवंटन संख्या H \503134-209 दिनांक 31-3-19 से आवंटित की जा रही है। धनराशि का उपयोग हेतु शासनादेश संख्या 519/3(150)-2017/XXVII(1)/2018 दिनांक 02 अप्रैल, 2018 के द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 1225/XXVII(2)/2019 दिनांक 31 मार्च, 2019 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव।

पृ0सं0 6 \ 8 (1)/उन्तीस(2)/19-2(02पे0)/2001 तददिनांकित

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. सचिव, ऊर्जा विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
3. मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमाँयू मण्डल।
4. जिलाधिकारी, देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
6. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पावर कार्पोरेशन को इस आशय से प्रेषित कि वे कृपया शासनादेश में उल्लिखित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए एवं रिकन्साईल्ड बिलों का भुगतान प्राप्त करने का कष्ट करें।
7. बजट निदेशालय, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-02, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक, एन0आई0सी0, देहरादून।
10. मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव।